पहल : छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत पुनर्वास नीति हुई लागू

नक्सल पुनर्वास नीति से सुदूर क्षेत्रों में शांति और विकास की नई पहल : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी शांति स्थापित करने और आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए एक समग्र और प्रभावी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत पुनर्वास नीति लागू की है। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि सरकार की नई नक्सल पुनर्वास नीति के तहत न केवल आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित किया जा रहा है, बल्कि समर्पण करने वाले नक्सलियों को एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन की ओर बढ़ने का अवसर भी दिया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इस नीति का मुख्य उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भय और असुरक्षा के माहौल को समाप्त कर वहाँ के नागरिकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार द्वारा आर्थिक सहायता, आवास, शिक्षा और रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे एक नई शुरुआत कर सकें। नक्सल संगठन छोड़ने वाले लोगों को सुरक्षा बलों की निगरानी में सुरक्षित आवास प्रदान किया जाता है, जहाँ वे अपने परिवार सहित शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें। उनके पुनर्वास के लिए राज्य सरकार ने विशेष प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की है, जहाँ उन्हें तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है, ताकि वे अपने जीवनयापन के लिए आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि सरकार केवल आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवारों के कल्याण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। समर्पित नक्सलियों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं और विशेष विद्यालयों की व्यवस्था की गई है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित माहौल मिले, जिससे वे आगे चलकर समाज के सम्मानजनक नागरिक बन सकें। स्वास्थ्य सुविधाओं को भी इन परिवारों तक पहुँचाने के लिए विशेष प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहाँ मुफ्त चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

- नई नक्सल पुनर्वास नीति नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में साबित होगा मिल का पत्थर

आत्मसमर्पित नक्सलियों को ऋण योजनाओं से जोड़ा जा रहा

विजय शर्मा ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सड़कों, पुलों और बिजली की आपूर्ति जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि जब तक इन क्षेत्रों में आधारभूत विकास नहीं होगा, तब तक वहां स्थायी शांति की स्थापना संभव नहीं हो पाएगी। इसलिए इन इलाकों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नए औद्योगिक और कृषि विकास परियोजनाओं को भी गति दी जा रही है। सरकार द्वारा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए आत्मसमर्पित नक्सलियों को ऋण योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे अपने व्यवसाय शुरू कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

पुनर्वास नीति के तहत दे रहे नौकरी

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकारी नौकरियों, सहकारी समितियों और अन्य रोजगार योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे पुनः अपराध या नक्सल गतिविधियों की ओर न मुड़ें। पुनर्वासित व्यक्तियों को उनकी योग्यता और क्षमता के अनुसार विभिन्न सरकारी विभागों में कार्य करने का अवसर दिया जा रहा है। इसके अलावा, उन्हें खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प और अन्य स्वरोजगार योजनाओं में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे अपनी आजीविका खुद सुनिश्चित कर सकें।

सरकार का उद्देश्य लोगों को नई जिंदगी देना

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इस पुनर्वास नीति के कारण कई पूर्व नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज में लौट रहे हैं और सकारात्मक जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। राज्य सरकार की यह नीति न केवल नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने में सफल हो रही है, बल्कि इससे छत्तीसगढ़ के सुदूर क्षेत्रों में स्थायी शांति स्थापित करने में भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सिर्फ उग्रवाद को समाप्त करना नहीं है, बल्कि उन लोगों को भी नई जिंदगी देना है, जो किसी कारणवश इस पथ पर चले गए थे और अब वापसी करना चाहते हैं।

पुनर्निर्माण में सरकार का साथ दें

उपमुख्यमंत्री श्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में सरकार का साथ दें और इस शांति एवं विकास की यात्रा को और मजबूत करें। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार की यह नीति प्रदेश को उग्रवाद-मुक्त, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। अवश्य ही मार्च 2026 तक देश सहित छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त होगा।

नदी में डूबने से चौथी कक्षा के आदिवासी छात्र की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा

कोण्टा विकासखंड के राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर संचालित इंजरम बालक आश्रम के छात्र की शबरी नदी में डूबकर मौत हो गई। इससे जनप्रतिनिधियों एवं परिजनों में आक्रोश है। सोमवार को कक्षा चौथी के छात्र की नदी में डूबने से मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम कर आज मृत छात्र के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। छात्र नवीन ग्राम पंचायत मराईगुड़ा नं. 1 का रहने वाला था। छात्र की नदी में डूबकर मौत की खबर मिलने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष सोयम मंगम्मा, उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, जिला पंचायत सदस्य सोयम भीमा, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष बोड्डू राजा सहित कोंटा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर पांडेय, विधायक प्रतिनिधि सोयम जयप्रकाश, नगर अध्यक्ष मौसम जया, छात्र नेता नामीर एवं सीपीआई कार्यकर्ता इरफान खान, कांग्रेस पार्षद देवी व अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रबंधन एवं शिक्षा विभाग ⏭ शेष पेज 10 पर

- आश्रम अधीक्षक निलंबित
- जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने आश्रम पहुंच छात्र की मौत की ली जानकारी

परिवार का रो-रोकर बुरा हाल

ग्राम पंचायत मराईगुड़ा के सरपंच एवं छात्र नवीन के पिता बदरा व परिजनों ने कोण्टा ब्लॉक मुख्यालय पहुंच पोस्टमार्टम के बाद छात्र के अंतिम संस्कार के लिए गृह ग्राम के लिए रवाना हुए। छात्र के परिवार व पिता छात्र की बेवजह मौत के सदमें से बाहर नहीं निकले है। दूसरी ओर शिक्षा विभाग इस प्रकार की घटनाओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते हुए, छात्र के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए बीस हजार रूपए देकर तथा आने वाले समय में मुआवजे की राशि एवमं परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति देने की बात कही है। जिला पंचायत अध्यक्ष सोयम मंगम्मा ने इस प्रकार की लापरवाही तथा छात्र की मौत को लेकर बीईओ बीआरसी मंडल संयोजक सहित अधीक्षक व कर्मचारियों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर ब्लॉक स्तर से लेकर जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

आश्रम अधीक्षक कोर्राम निलंबित

सहायक आयुक्त शरद शुक्ला ने ग्राम पंचायत मराईगुड़ा 1 पहुंच छात्र के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने परिवार जनों से मिल संवेदना व्यक्त करते हुए मौजूद जनप्रतिनिधियों तथा परिवार जनों को भरोसा दिलाया की भविष्य में इस प्रकार की घटना नही होगी। हरिभूमि से सहायक आयुक्त ने कहा कि प्रथम दृष्टी में अधीक्षक बाहूराम कोर्राम को निलंबित कर दिया गया है।

नवरात्रि विशेष

चतुर्थ : कूष्माण्डा

मां दुर्गा अपने चतुर्थ स्वरूप में कूष्माण्डा के नाम से जानी जाती हैं। नवरात्र के चौथे दिन आयु, यश, बल व ऐश्वर्य को प्रदान करने वाली भगवती कूष्माण्डा की उपासना-आराधना का विधान है। अपनी मंद हंसी द्वारा अण्ड अर्थात ब्रह्माण्ड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्माण्डा देवी के नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि का अस्तित्व नहीं था, चारों ओर अंधकार ही अंधकार परिव्याप्त था तब इन्हीं देवी ने अपने ईषत हास्य से ब्रह्माण्ड की रचना की थी। अतः यही सृष्टि की आदि स्वरूपा आदि शक्ति मानी जाती हैं. इनके पूर्व ब्रह्माण्ड का अस्तित्व था ही नहीं. इनकी आठ भुजाएं हैं. अतः ये अष्टभुजा देवी के नाम से विख्यात हैं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष बाण, कमल, पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं. आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जपमाला है. इनका वाहन सिंह है। अपनी मंद, हल्की हंसी द्वारा ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्माण्डा देवी के रूप में पूजा जाता है. संस्कृत भाषा में कूष्माण्डा को कुम्हड़ कहते हैं. बलियों में कुम्हड़े की बलि इन्हें सर्वाधिक प्रिय है. इस कारण से भी मां कूष्माण्डा कहलाती हैं. सर्वप्रथम मां कूष्मांडा की मूर्ति अथवा तस्वीर को चौकी पर दुर्गा यंत्र के साथ स्थापित करें इस यंत्र के नीचे चौकी पर पीला वस्त्र बिछाएं. अपने मनोरथ के लिए मनोकामना गुटिका यंत्र के साथ रखें. दीप प्रज्ज्वलित करें तथा हाथ में पीले पुष्प लेकर मां कूष्मांडा का ध्यान करें.

वन्दे वांछित कामर्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम्।
सिंहरूढा अष्टभुजा कुष्माण्डा यशस्वनीम्॥

खबर संक्षेप

अंतिम सांस तक नगरनार प्लांट के निजीकरण का विरोध करेंगे

जगदलपुर। नगरनार इस्पात के निजीकरण के विरोध में जय झाड़ेश्वर परिवहन समिति विरोध में उतर चुकी है। रविवार को झाड़ेश्वर परिवहन समिति के सदस्यों द्वारा इस्पात के निजीकरण को लेकर धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया था। मंगलवार को इस्पात सचिव संदीप पौड्रिक इस्पात दौरे पर जगदलपुर पहुंचे हुए थे। इस दौरान इस्पात के विनिवेशीकरण का विरोध कर रहे जय झाड़ेश्वर परिवहन समिति के सदस्यों ने अध्यक्ष रैनु बघेल के नेतृत्व में इस्पात सचिव से मुलाकात की हैं। जय झाड़ेश्वर परिवहन समिति के अध्यक्ष रैनु बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि नगरनार स्टील प्लांट के विनिवेशीकरण के विरोध में हमारी परिवहन समिति पुरजोर विरोध कर रही है। इस दौरान उनसे हमने नगरनार प्लांट के विषय मे चर्चा की हैं। साथ ही कई विषयों को ले कर उन्हें ज्ञापन भी सौपा है। नगरनार के विनिवेशीकरण को लेकर हम अंतिम सांस तक विरोध करते रहेंगे। इस दौरान खगेश्वर पुजारी, सियाराम, जालंधर नाग ,वीरेंद्र साहू ,गणेश काले ,रघु सेठिया, तपन राय, गीता मिश्रा, प्रकाश नायडू, अशोक साहू सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

अधिवक्ताओं को 15 जुलाई तक कोट पहनने से छूट

जगदलपुर। वरिष्ठ अधिवक्ता सपन देवांगन ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अधिवक्ताओं को 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक ग्रीष्मकाल के दौरान न्यायालय में काला कोट पहनने से छूट मिल गई है, जो छत्तीसगढ़ ⏭ शेष पेज 10 पर

सीमावर्ती राज्य के 775 वाहन परिवहन नियमों का उल्लंघन करते मिले, वसूला गया जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

धनपूंजी स्थित परिवहन विभाग के बेरियर में जाने एवं आने वाले 931 वाहन परिवहन नियमों का उल्लंघन करते मिले, जिन पर 22 लाख 62 हजार 430 रुपए का जुर्माना किया गया। इसमें से 775 वाहन सीमावर्ती राज्यों की मिली, 17 लाख 61 हजार 500 रूपए, छत्तीसगढ़ की 152 वाहनों को एक लाख 72 हजार 700 रूपए, यानकर टीपी 2 लाख 18 हजार 450 रूपए, एक वाहन से बकाया टैक्स 66 हजार 780 रूपए एवं 3 वाहनों पर ई-चालान से 43 हजार रूपए वसूल किया गया। बताया जा रहा है कि दूसरे राज्यों की वाहनों के साथ-साथ अन्य वाहन छत्तीसगढ़ राज्य का बिना टैक्स दिए ही चल रही हैं। जांच के दौरान दूसरे राज्य की वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है, उसके बाद भी वाहन ⏭ शेष पेज 10 पर

बस्तर पंडुम में जिले के 110 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

जगदलपुर। राज्य शासन द्वारा बस्तर की समृद्ध जनजातीय कला एवं संस्कृति के धरोहर को पुनर्जीवित कर इसे वैश्विक पटल पर रखने सहित स्थानीय जनजातीय समुदाय के लोगों को अमिट पहचान और समुचित सम्मान दिलाने के उद्देश्य से बस्तर पंडुम यथा बस्तर का उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में ब्लॉक स्तर और जिला स्तरीय बस्तर पंडुम आयोजन के पश्चात बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी की धरा दन्तेवाड़ा में कल 2 अप्रैल से ⏭ शेष पेज 10 पर

हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव पर होगा अखंड रामायण का पाठ

जगदलपुर। मिथिला समाज की ओर से अनुपमा चौक स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। तीन और चार अप्रैल को विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। उक्त बातें मिथिला समाज के रुपेश झा ने मंगलवार को आयोजित पत्रवार्ता में कही। उन्होंने बताया कि 40 वर्ष पूर्व इस मंदिर का निर्माण हुआ था, इसमें पहले दिन तीन अप्रैल को श्री अखंड रामायण का पाठ होगा। दूसरे दिन चार अप्रैल को समापन होगा। इस दौरान दोनों दिन विशेष अनुष्ठान एवं भजन ⏭ शेष पेज 10 पर

उत्कल दिवस पर शहर के मुख्य मार्गों से निकली भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

उत्कल समाज द्वारा प्रतिवर्ष की तहर इस वर्ष भी उत्कल दिवस की संध्या भव्य शोभायात्रा व रैली निकाली गई। सुसज्जीत वाहनों में सवार बच्चे भगवान राम, सीता, हनुमान व राधा-कृष्ण के वेष में सवार छोटे-छोटे बच्चों की जीवंत झांकी आकर्षक का केंद्र रही जिनके दर्शन करने के उपरांत लोग सेल्फी भी लेते रहे। शोभायात्रा के दौरान समाज की सैकड़ों मातृशक्ति पीले साड़ी व पुरूष वर्ग पीले वस्त्रों में रैली में शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान तिरिया ग्राम का दंडारी नाचा व महिलाओं की हुलहुली आकर्षक का ⏭ शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

प्राचार्य पद पर पदोन्नति नहीं होना सोची समझी साजिश

केशकाल। छत्तीसगढ़ राज्य बने

24 वर्षों के बाद भी पदोन्नति नहीं हो पाना महज इत्तेफाक नहीं, एक सोच समझ कर किया खेल है। गायकवाड़ का कहना है कि जब शिक्षक से व्याख्याता से बनाना होता है, तो बीएड की आवश्यकता नहीं होती। जबकि प्राचार्य का पद प्रशासनिक होता है। जहां प्रशासनिक अनुभव की आवश्यकता होती है, बीएड का अनुभव अध्यापन के लिए जरूरी होता है। अतः पदोन्नति सूची को जारी किया जाए, जिसमें 2019 का भर्ती पदोन्नति नियम लागू करते हुए बीएड की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए सूची जारी हो।

आश्रम छात्रवासों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर जोर

कोण्डागांव। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विभाग के आयुक्त पी.एस. एल्मा ने रविवार को जिले में संचालित विभागीय आश्रम–छात्रवासों, संस्थाओं और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सहायक आयुक्त सुश्री निकिता मरकाम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आयुक्त श्री एल्मा ने एकलव्य विद्यालयों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। विशेष रूप से वैकल्पिक भवनों में संचालित विद्यालयों के शौचालयों की स्थिति की जानकारी ली, जिसमें प्राचार्योंं ने संतोषजनक स्थिति की जानकारी दी। इसके अलावा एकलव्य विद्यालयों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई।

किसानों की मांग पर कोसारटेडा जलाशय से छोड़ा गया पानी

जगदलपुर। खंडसरा, नाहारनी, केशरपाल, कुमली, फ़ाफनी, मुरकुची, बेसोली, बाकेल, सोरगाँव, भानपुरी और फरसगुड़ा के किसानों के सिंचाई हेतु मांग पर विभागीय मंत्री केदार कश्यप के निर्देश एवं कलेक्टर हरिस एस के निर्देशन में सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा भौतिक सत्यापन के पश्चात 1 अप्रैल को कोसारटेडा जलाशय से रबी सिंचाई हेतु तीसरी बार जलाशय से 6.00 क्यूमेक जल नहरों के माध्यम से छोड़ा गया है। कुल 10 एमसीएम पानी सिंचाई हेतु बांध से विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। जिस पर किसानों द्वारा मंत्री केदार कश्यप को धन्यवाद देते हुए नवीन जलाशयों के अविलंब निर्माण की मांग की गई है ।

उत्साह : आयोजन के दौरान जनजातीय लोक संस्कृति के रंग में सराबोर हुआ बस्तर

बस्तर पण्डुम के जिला स्तरीय कार्यक्रम का समापन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को किया गया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जनजातीय संस्कृतियों और परंपराओं से सजी बस्तर पण्डुम के जिला स्तरीय आयोजन का समापन स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रमुखजनों की उपस्थिति में हुआ। कोंडागांव के स्थानीय ऑडिटोरियम में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृतियों और परंपराओं को सभी विकासखंड से आए कलाकारों ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियों के साथ प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में केशकाल विकासखंड के प्रतिभागियों ने जनजातीय नाट्य विधा में बस्तर की लोक संस्कृति को दर्शाती आमा जोगानी त्योहार को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं फरसगांव विकासखंड के प्रतिभागियों ने धनकुल गीत के माध्यम से पुरातन वाद्य यंत्रें का प्रदर्शन किया। इसी तरह कोंडागांव विकासखंड के कलाकारों ने बस्तर के जनजातीय समाज के पारंपरिक परिधान और आभूषणों को दिखाया। साथ ही विलुप्त हो रहे वाद्य यंत्र विधा में कई वाद्य यंत्रें का स्थानीय बोली में परिचय के साथ प्रदर्शन किया गया। समापन समारोह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जनजातीय लोक नृत्य विधा में फरसगांव विकासखंड, पारंपरिक वेशभूषा एवं आभूषण, जनजातीय लोक गीत, लोक नाट्य और वाद्ययंत्र विधा में केशकाल, पेयपदार्थ एवं व्यंजन, शिल्पकला एवं चित्रकला विधा में कोंडागांव विकासखंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर, समाज के प्रमुख, मांझी मेंबर, गायता पुजारी उपस्थित रहे।

लोक संस्कृति के संरक्षण में युवा पीढ़ी की भागीदारी जरूरी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरपति पटेल ने कहा कि जनजातीय समाज में जन्म से लेकर मृत्यु तक हर अवसर में लोक संस्कृति की झलक दिखाई देती है। इस परंपरा और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए राज्य शासन लगातार प्रयासरत है और इसके संरक्षण में युवा पीढ़ी की भागीदारी भी आवश्यक है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष हीरा सिंह नेताम तथा नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच के तहत बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बस्तर पण्डुम का आयोजन किया जा रहा है।

आधुनिकता की चकाचौंध ने किया युवा पीढ़ी को संस्कृति और परंपराओं से दूर

आधुनिकता के इस युग में हमारी युवा पीढ़ी जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से दूर होती जा रही है और आधुनिकता की चकाचौंध में खो रही है। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम जैसे आयोजन के माध्यम से जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। यह आयोजन न केवल हमारी विलुप्त होती लोककला, नृत्य, गीत और संगीत को संजोने का अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी को भी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित करा रही है, जिससे वे गर्व की अनुभूति कर सकें। इस आयोजन में पहली बार कई ऐसी जनजातीय परंपराएँ और लोक कला देखने को मिल रहे हैं, जो लुप्त होने के कगार पर हैं। हमें अपनी इन अमूल्य धरोहरों को सहेजने की आवश्यकता है, ताकि हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराएँ पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रहें और समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखें।

आठवीं बोर्ड के विज्ञान पेपर में सोशल साइंस व पांचवीं के प्रश्न!

केशकाल। जिले में आयोजित उच्च प्राथमिक प्रमाण पत्र परीक्षा आठवीं बोर्ड परीक्षा के विज्ञान विषय के प्रश्न पत्र में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रश्न पूछे गए। इसके अलावा कई प्रश्न कक्षा पांचवीं के पर्यावरण विषय के भी थे। जब प्रश्न पत्र परीक्षार्थियों में वितरित कर दिया गया तब प्रश्न पत्र में व्यापक त्रुटि होना ज्ञात हुआ और हड़कंप मच गया। जिला शिक्षा अधिकारी कोंडागांव को यह त्रुटि ज्ञात होने पर उन्होंने यह संदेश व्हाट्स अप के माध्यम से सभी संकुल समन्वयक, प्राचार्यों तथा परीक्षा केंद्राध्यक्षों को भेजा कि वे बच्चों को सूचित करें कि विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्न ही हल करें। शीघ्र ही विज्ञान विषय के प्रश्न व्हाट्सप द्वारा प्रसारित किया जाएगा।

जांच का विषय- सर्वप्रथम तो यह त्रुटि होना ही नहीं चाहिए था और यदि प्रश्न पत्र में ही गलत मुद्रित हो गया हो तो परीक्षा रद्द कर देना ही सही निर्णय होता। व्हाट्सप द्वारा भेजे गए प्रश्नों को किस प्रकार परीक्षार्थियों को दिया गया, कितना अतिरिक्त समय लगा एवं उन क्षेत्रों में जहां इन्टरनेट सेवा नहीं है। परीक्षा कैसे संचालित की गई, यह जांच का विषय है। जिला प्रशासन ने इस चिंताजनक गम्भीर प्रकरण की ओर अविलंब ध्यान दें। ज्ञात हो कि अंग्रेजी माध्यम का प्रश्न पत्र ठीक था। ऐसी स्थिति में यह भी जांच आवश्यक है कि जब प्रश्न पत्र में सुधार कार्य हुआ तो अंग्रेजी माध्यम के प्रश्न पत्र के अनुरुप सुधार हुआ अथवा नहीं?

मां काली का दिव्य दरबार, जहां पूरी होती हैं श्रद्धालुओं की मुरादें

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

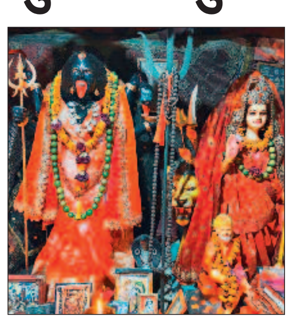

पंचवटी पारा में मौजूद महाकाली का दिव्य दरबार, जहां सभी भक्तों की मुरादे पूरी होती है और उनकी समस्याओं का समाधान होता है। यहां पर मां काली विराजमान है जो की सभी भक्तों के लिए आस्था का प्रतीक है। यहां आने वाले भक्तों का कहना है कि इस स्थान से हमें विश्वास प्राप्त हुआ और हमारी समस्याओं का समाधान प्राप्त हुआ है। यहां पर बहुत दूर-दूर से भक्तजनों का आगमन होता है, इस मंदिर को पूरे 25 वर्ष हो चुके हैं पर यह मंदिर आज भी एक झिल्ली से ढके झोपड़ी पर मौजूद है जिस पर ना तो वर्षा का प्रभाव होता है ना गर्मी का यह मंदिर आज भी उसी स्थिति में खड़ा है। इस मंदिर में तीन नागराज मौजूद हैं, जो कभी कभी भक्तों को दर्शन भी देते हैं नागराज के अलावा यहां मूषक भी हैं, जानी दुश्मनी होते हुए भी यहां दोनों प्रजाति शांति से रहते हैं, जो अपने आप में किसी चमत्कार से कम नहीं है। यहां पर प्रत्येक नवरात्र पर भक्तों के द्वारा ज्योति कलश की स्थापना भी की जाती है और अपनी मन्नतें रखकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

अपर संचालक पहुंचे नगर पालिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य रविवार को बस्तर प्रवास के दौरान कोंडागांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका कोंडागांव कार्यालय पहुंचकर अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी के साथ मुलाकात करने के पश्चात नगर में ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था के संबंध में विस्तृत चर्चा कर जानकारी ली और उनके द्वारा नगर में हो रहे निर्माण कार्य में अधोसंरचना मद 15 वित्त वर्ष में अटल परिसर निर्माण की समीक्षा किया गया। साथ ही निकाय के की राजस्व आय बढ़ाने के लिए गार्डन सामुदायिक भवन, तालाब, गार्डन को पीपीई मोड पर देने के सुझाव दिए। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश डे उपस्थित रहे।

करोड़ों की लागत से कुछ साल पहले बने 4 एनीकेट पूरी तरह क्षतिग्रस्त

जगदलपुर। इंद्रावती नदी के सूखने का सबसे ज्यादा असर बस्तर विधानसभा क्षेत्र के कई गांव में हुआ है। भोण्ड से लेकर नदीसागर तक इंद्रावती नदी के दोनों ओर के लगभग 40 गांव के 300 से अधिक किसानों की फसल बर्बाद हो गई है। लबालब पानी से भरे रहने वाली इंद्रावती पहली बार ऐसी हालत काफी भयावह है। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने हरिभूमि से चर्चा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भोण्ड के नीचे, लामकेर, नदीसागर और रोतमा में बने 4 एनीकेट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। करोड़ों की लागत से कुछ साल पहले 2016-17 में एनीकेट बने थे और आज इसकी हालत काफी दयनीय है। एनीकेट का क्षतिग्रस्त होना यह साबित करता है कि जमकर भ्रष्टाचार हुआ। विधायक ने कहा कि लगभग 10 किमी एरिया में इंद्रावती नदीं पूरी तरह सूख गई है, जबकि उसके ऊपरी और निचली क्षेत्र में नदी में पानी है। ऐसे में ग्रामीण खुद भी यह समझ नहीं पा रहे है कि यह कैसा हुआ। लखेश्वर बघेल ने कहा कि अभी यदि खातीगुड़ा से पानी भी छोड़ा जाएगा तो भी सूखे से प्रभावित इस 10 किमी के इलाके के गांव में पानी नहीं पहुंचेगा। इसलिए विशेषज्ञों द्वारा मौके का मुआयना कर वैज्ञानिक तरिके से देखना

पड़ेगा कि इस विषम हालात से निकलने के लिए क्या कुछ किया जा सकता है। सबसे ज्यादा किसानों ने मक्का लगाया है, जो पूरी तरह जल गया है। कुछ गांवों में किसानों ने साग-सब्जी भी लगाया है।

मंत्री और कलेक्टर को विधायक ने लिखा पत्र

विधायक लखेश्वर बघेल ने इंद्रावती सूखने से गंभीर हुई जलसकंट को देखते हुए जलसंसाधन मंत्री केदार कश्यप और बस्तर कलेक्टर को पत्र लिखकर जल्द समाधान निकालने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कृषि कार्य और निस्तारी में ग्रामीण और किसान काफी परेशान हैं। इंद्रावती बचाव संघर्ष समिति ने जो मांगे की है उनमें ग्राम पंचायत भोण्ड में बैराज का निर्माण और सभी क्षतिग्रस्त एनीकेट को मरम्मत करने एवं सूख चूकी फसल की क्षतिपूर्ति शामिल है। इसलिए इस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

ईदगाह में मनाई गई ईद...

कोण्डागांव। ईदुल फितर के अवसर पर पूर्व मंत्री, व पूर्व पीसीसी चीफ मोहन मरकाम, नवनियुक्त कोंडागांव कांग्रेस जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम, तरुण गोलछा, झूमक दीवान, रितेश पटेल आदि ने ईदगाह परिसर पहुंच कर ईद की खुशियों में शिरकत की।

कलेक्टर ने दिए शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

कोण्डागांव। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज कलेक्टर कुणाल दुदावत ने साप्ताहिक समय–सीमा बैठक ली। बैठक में समय–सीमा में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए, कलेक्टर ने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और इनके बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के संबंध में शासन से प्राप्त दिशा–निर्देशों की जानकारी देते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग एवं जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि योजना के तहत जनपद स्तर पर आवेदन प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करें और योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करें। उन्होंने योजना के तहत पात्र नागरिकों के आवेदनों को जिला स्तरीय समिति के समक्ष

प्रस्तुत करने को कहा, जिससे हितग्राहियों को योजना का लाभ शीघ्र मिल सके।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्युत उपभोक्ताओं को जागरूक करने एवं सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सहकार से समृद्धि अभियान के तहत नए सहकारी समितियों के गठन की जानकारी लेते हुए इसके पंजीयन में तेजी लाने के निर्देश सहकारिता विभाग के अधिकारियों को दिए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत चयनित मॉडल ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शौचालय निर्माण और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि चिन्हांकित मॉडल ग्राम पंचायतों में विभिन्न संगठनों के समन्वय से स्वच्छता के संबंध में नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विकासखण्डवार स्वीकृत कार्यों की जानकारी ली और आवास प्लस के तहत नए हितग्राहियों के पंजीयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में 07 अप्रैल से 21 अप्रैल 2025 के बीच राजस्व पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए सभी एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि लोक सेवा गारंटी के तहत लंबित राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय–सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रूफटॉप सोलर प्लांट लगवाने के लिए उपभोक्ताओं को किया जा रहा प्रोत्साहित

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शासन द्वारा शहरी एवं ग्रामीण घरेलु विद्युत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह योजना बिजली के क्षेत्र में उपभोक्ताओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

इस योजना के तहत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई होगी। इससे न केवल उपभोक्ताओं के घर की बिजली शून्य होगा बल्कि ग्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त आय भी प्राप्त होगी। शासन द्वारा सौर पैनल स्थापना के लिए हितग्राहियों को शासन द्वारा 30 से 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्रति प्लांट दी जाएगी। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार 1 किलोवॉट के लिए लगभग 65 हजार रूपए की लागत पर शासन द्वारा 30 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाएगी, 2 किलोवाट के लिए 1 लाख 30 हजार रूपए की लागत पर 60 हजार रूपए की सब्सिडी और 3 किलोवाट से अधिक की सोलर संयंत्र के लिए 1 लाख 95 हजार की लागत पर 78 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाएगी। इसमें हितग्राही का अंशदान 10 प्रतिशत रहेगा और शेष राशि के लिए बैंकों द्वारा 7 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराई जाएगी। पीएम सूर्यघर योजना का लाभ उठाने के लिए जिले के हितग्राही वेब पोर्टल या पीएम सूर्य घर मोबाइल एप में पंजीयन करा सकते हैं।

अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर – प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित परिवारों को अपने बिजली बिलों में महत्वपूर्ण बचत का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त उन्हें अपने रूफटॉप सोलर सिस्टम से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को डिस्कॉम को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर भी मिलेगा। इससे भारत में सौर क्षमता का विस्तार होगा जो भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगा। साथ ही इस योजना के तहत सौर ऊर्जा में परिवर्तन से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। जिससे भारत की कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

पेज 9 के शेष

नदी में डूबने...

पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह लोग आश्रम का निरीक्षण कर जानकारी ली। दोषियों पर जवाबदेही सुनिश्चित कर कार्रवाई कर तत्काल पद से हटाए जाने की मांग की है ।

सीमावर्ती राज्य के...

चालक एवं मालिकों का ध्यान नहीं है।

कंडक्टर के पास लाइसेंस की जांच- परिवहन नियमों के अनुसार परमिट पर चलने वाली बसों में कंडक्टर के पास लाइसेंस होना चाहिए। यह लाइसेंस गाड़ी चलाने के लिए नहीं बल्कि कंडक्टरी का काम करने के लिए होता है। इसके बिना कोई भी बस में कंडक्टरी नहीं कर सकता। मगर शहर से परमिट लेकर दौड़ रहीं बसों में से इक्का-दुक्का ही बसें ऐसी हैं, जिनमें कंडक्टर के पास लाइसेंस है। इसलिए मुख्यालय के निर्देश पर बेरियर में यात्री बसों में कंडक्टर के लायसेंस की जांच कर रहे हैं।

वाहनों पर हो रही सख्ती- बेरियर धनपूंजी के प्रभारी एवं निरीक्षक शेष ध्रुव ने बताया कि परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्ती की जा रही है। इसलिए चालक एवं मालिक वाहन नियमों का पालन करें।

बस्तर पंडुम में..

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का आगाज हो रहा है। इस संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में बस्तर जिले के 110 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जिसमें लोक नाट्य कला, लोक वाद्ययंत्र, लोक गीत, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण, लोक शिल्प कला, जनजाति पेय पदार्थ एवं व्यंजन एवं मंडई नाचा विधाओं को शामिल किया गया है। साथ ही केवल संभाग स्तरीय आयोजन में जनजातीय रीति-रिवाज एवं तीज-त्यौहार पर आधारित प्रदर्शनी को समाहित किया गया है। कलेक्टर हरिस एस के निर्देशानुसार एवं सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में उक्त संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में शामिल होने के लिए मंगलवार शाम बस्तर जिले की टीम उत्साह के साथ दन्तेवाड़ा के लिए रवाना हुई। इस दौरान सम्बन्धित नोडल अधिकारी उपायुक्त आदिवासी विकास विभाग जीआर सोरी, उप संचालक पंचायत बीरेन्द्र बहादुर और अन्य अधिकारी भी उक्त दल के साथ रवाना हुए।

हनुमान मंदिर के ...

कीर्तन होगा। इस अखंड रामायण में समाज के साथ ही पूरे जिले के लोग रामायण का पाठ करेंगे। वहीं रायपुर से भजन की मंडली को बुलाया गया है, जो अपने सुमधुर भजन की प्रस्तुति देंगे। इस दौरान भक्तों के लिए महाभंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि तीन अप्रैल को दोपहर तीन बजे से अखंड रामायण पाठ प्रारंभ होगा और रात्रि आठ बजे महाप्रसादी का वितरण होगा। इसी तरह दूसरे दिन अखंड पाठ के समापन पर रात्रि आठ बजे महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। पत्रवार्ता में मिथिला समाज के बटोही झा, शशी झा, विवेका नंद झा, छूरन झा, देव कुमार झा, विनय झा आदि उपस्थित थे।

उत्कल दिवस पर...

केन्द्र बना रहा। उत्कल समाज द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रैली में सैकड़ों की संख्या में समाज के महिला, पुरूष व बच्चे शामिल हुए। शहर के मुख्य मार्गों से निकली रैली में पीले साड़ी में महिलाओं की टोली रैली में शामिल हुई जो बीच बीच में हुलहुली एक तरह का स्वर जो शुभ अवसरों पर निकाली जाती है आकर्षण का केन्द्र बनी रही। वहीं पीले कुर्ते में भी पुरूष वर्ग शोभायात्रा में शामिल हुआ जो रैली के प्रारंभ व अंतिम पंक्ति में चल रहे थे। उत्कल भवन से निकलकर शोभायात्रा चिखलीकर चौक, महावीर चौक, मेन रोड, मिताली चौक, दंतेश्वरी मंदिर, सिरहासार चौक, भैरम मंदिर होते हुए वापस उत्कल भवन पहुंची जहां स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। रैली के प्रथम पक्तिं में भगवान जगन्नाथ के रथ को सजाया गया था वहीं बच्चों की जींवत झांकी भी सुसज्जीत रथों में सवार थी। रथ के पीछे समाज की महिलाएं भजन कीर्तन कर चल रहे थे। वहीं पुरूष वर्ग रथ के आगे व रैली के पीछे थे जो रैली को व्यवस्थित ले जाने में महती भूमिका निभाते नजर आए। उत्कल भवन में रैली के पहुंचने के बाद सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यस्थ्सा समाज की ओर से की गई थी जिसका लुफ्त सभी ने उठाया और एक दूसरे को उत्कल दिवस की बधाई दी।

तिरिया का दंडारी नाचा रहा आकर्षक का केन्द्र उत्कल दिवस के अवसर पर पहली बार –ोभायात्रा को भव्य रूप देने के लिए तिरिया ग्राम के दंडारी नाचा को बुलाया गया था। दो दर्जन से अधिक आदिवासी ग्रामीण शोभायात्रा के दौरान परम्परागत पोषाक में दंडारी नृत्य करते चल रहे थे। दंडारी नाचा के लिए आए तिरिया के ग्रामीणों ने बताया कि पहली बार देर शाम उत्कल समाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा में शामिल हुए जो उनके लिए एक अलग ही अनुभव था। इससे पूर्व भी वे अनेक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे है लेकिन यह कुछ अलग हट के था।

अधिवक्ताओं को...

राज्य विधिक परिषद द्वारा अधिवक्ता अधिनियम 1961 के नियम 4 के अधिवक्ताओं को ग्रीष्मकालीन अवकाश के समय न्यायालय में उपस्थिति हेतु कोट पहनने से छूट प्रदान की है। अधिनियम 1961 के तहत अधिवक्ताओं को अदालतों में सफेद बैंड रिबन के साथ काले रंग का कोट पहनना अनिवार्य है। ऐसा माना जाता है कि ब्लैक कोट और व्हाइट शर्ट एडवोकेट में अनुशासन लाता है और न्याय के प्रति विश्वास को बनाए रखता है। सफेद नेक बैंड मासूमियत का प्रतीक है। इस छूट से अधिवक्ताओं को गर्मी के मौसम में काला कोट पहनने की परेशानी से राहत मिल गई है।

2 अप्रैल से जिला मुख्यालय में आगाज होगा बस्तर उत्सव

जनजातीय परंपराओं और संस्कृति का उजास बस्तर पंडुम

ओडिशा, तेलंगाना, असम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक दल उत्सव में लगाएंगे चार चांद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास की होगी काव्यात्मक प्रस्तुति

बस्तर पंडुम के तहत बस्तर की समृद्ध जनजातीय परपंराओं और संस्कृतियों का बहुरंगी छटा माह अप्रैल के प्रथम सप्ताह में जिला मुख्यालय में बिखेरेंगी। इस वृहद आयोजन की संपूर्ण तैयारियां लगभग पूर्ण हो चूकी है। वास्तव में वनांचलों में रहने वाले आदिवासी प्रकृति के साथ जीते है और इसी के साथ अपनी संस्कृति और सभ्यता का आनंद लेते है। इसी अमूर्त संस्कृति को सहेजने, संवारने, और अक्षुण्ण रखने के लिए राज्य शासन बस्तर पंडुम का अभिनव आयोजन कर रहा है।

इस बहुरंगी आयोजन के तहत 2 अप्रैल प्रातः 10 बजे जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा के हाई स्कूल ग्राउंड में होने वाले इस आयोजन में बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा सहित सुकमा, बीजापुर, कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, बस्तर के आदिम जनजाति कला, संस्कृति का भव्य प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता होगी। इसके अंतर्गत बस्तर संभाग के सभी जिलों की टीमों द्वारा विभिन्न विधाओं की प्रदर्शनी के साथ-साथ देश के अन्य राज्य जैसे ओडिशा, तेलंगाना, असम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक दल अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देगें यह कार्यक्रम 2 अप्रैल को संध्या 6 बजे से प्रारंभ होगा। इसी प्रकार 3 अप्रैल को प्रख्यात कवि एवं राम कथा वाचक डॉ. कुमार विश्वास द्वारा संध्या 6 बजे बस्तर के राम पर आधारित का काव्यात्मक प्रस्तुति और कविता पाठ किया जाएगा। इसके अलावा 4 अप्रैल को विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

बस्तर संभाग के जिलों में इन प्रतिस्पर्धाओं के तहत इन क्षेत्रों में प्रचलित जनजातीय लोक नृत्य जैसे गेड़ी नृत्य, गौर नृत्य, ककसार, मादरी, दडामी, एबालतोर, दोरला, हुलकी पाटा, परब नाच, घोटुल पाटा, कोलांग पाटा, डंडारी नृत्यों के मध्य प्रतिस्पर्धा होगी। दूसरी और जनजातियों के लोक गीत यथा लिंगों पेन, रिलो गीत, कोटनी, जगार, मरम पाटा,का भी प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। और बेहतर प्रस्तुतिकरण के आधार पर दल विजयी घोषित किए जाएगें। बस्तर उत्सव के अन्तर्गत जनजाति लोकनाट्य माओपाटा, भतरा नाट्य, प्रमुख जनजाति वाद्ययंत्र के तहत धनकुल, ढोल, चिटकुल, तोड़ी, अकूम, बावांसी, तिरडुडी, झाब, मांदर, मृंदग, बिरिया ढोल, सारंगी, गुदुग, मोहरी, सुलुड, मुंडा बाजा, चिकारा की भी प्रस्तुतियां की जाएगी।

बस्तर पंडुम में स्थानीय खान पान के मध्य भी प्रतियोगिताएं आयोजित होगीं। चुंकि बस्तर के संस्कृति में पारंपरिक पेय पदार्थो का बड़ा महत्व होता है जो जन्म, मरण, विवाह, जैसे सामाजिक अनुष्ठानों में भरपूर उपयोग किए जाते है इसके तहत सल्फी, ताड़ी, छिन्द रस, हाड़िया, पेज, कोसमा, से भी दर्षक रूबरू हो पाऐगें। इसके साथ ही स्थानीय प्रचलित व्यजंनों पर आधारित प्रतियोगिताएं भी रखी गई है।

शिल्प एवं चित्र कला की प्रस्तुतियों में घड़वा कला, मिट्टी कला, काष्ठ कला, पत्ता शिल्प, ढोकरा कला, लौह शिल्प, प्रस्तर शिल्प, गोदना शिल्प, भित्तिचित्र कला, शिसल शिल्प, कोड़ी शिल्प का संपूर्ण संभाग में बड़ा महत्व है। इस संबंध में भी क्षेत्रीय सांस्कृतिक दलों द्वारा पूरे उत्साह के साथ अपनी भागीदारी दर्शाई जाएगी। इसी प्रकार इस चार दिवसीय आयोजन में जनजातीय पारंपरिक आभूषणों जैसे लुरकी, करधन, सुतिया, पैरी, बांहूटा, बिछियां, ऐंठी, बन्धा, फुली, धमेल नांगमोरी, खोंचनी, मुंदरी, सुर्रा, सुता, पटा, पुतरी, ढार, नकबेसर की छटा से भी दर्शक रूबरू हो पाएगें। आदिम पर्वो के अन्तर्गत करसाड़ भीमा जतरा, बाली परब, दियारी तिहार, लक्ष्मी जगार, नवाखानी, माटी तिहार, लारूकाज, धनकुल, गोंचा पर्व, बीज बोहनी, छेरता पर्व की भी धूम बस्तर पंडुम में रहेगी।

खबर संक्षेप

छात्राओं की पढ़ाई खतरे में नहीं मिल रही है शिष्यवृत्ति

बकावंड। 250 सीटर कन्या छात्रावास बकावंड में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्राओं को छात्रवृत्ति मिलना बंद हो गई है। इससे उनकी पढ़ाई खतरे में पड़ गई है। पालकों ने कलेक्टर को आवेदन देकर छात्रवृत्ति दिलाने की मांग की है। कलेक्टर को आवेदन देने पहुंचे पालकों ने बताया कि वे गरीब तबके हैं और रोजी मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। इसीलिए उन्होंने अपनी बेटियों को छात्रावास में रखकर पढ़ाने का फैसला किया था। छात्राओं को शिष्यवृत्ति देना बंद कर दिया गया है। नतीजतन छात्रावास में उनके भोजन, साबुन सोडा, तेल व दैनिक जरूरत की अन्य चीजों की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। पालक इस संबंध में वे सांसद महेश कश्यप, आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त समेत कई अधिकारियों को अपनी पीड़ा बता चुके हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। हालत यह है कि पालक अब अपनी बेटियों को छात्रावास से निकाल कर घर ले जाने और उनसे रोजी मजदूरी कराने की सोचने के लिए मजबूर हो गए हैं। इन आदिवासी पालकों ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि शिष्यवृत्ति भुगतान की जल्द पहल करें।

बस्तर पंडुम में 93 प्रतिभागी दंतेवाड़ा रवाना

बीजापुर। संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का आयोजन 2 अप्रैल से 5 अप्रैल तक दंतेवाड़ा में आयोजित होगा बीजापुर जिले के चयनित प्रतिभागी 7 विधाओं में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने दंतेवाड़ा जिले के लिए रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पहल पर आदिवासी सभ्यता एवं संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बस्तर पंडुम का आयोजन तीन स्तरों पर किया जा रहा है। बीजापुर जिले के प्रथम चरण के ब्लॉक स्तरीय आयोजन में 2798 प्रतिभागियों ने प्रदर्शन किया जिसमें से जिला स्तर के लिए 872 प्रतिभागियों का अंतिम चयन हुआ। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन उपरांत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए कुल 93 प्रतिभागी अंतिम रूप से चयनित हुए। चयनित प्रतिभागी द्वारा जनजातीय नृत्य, जनजातीय गीत, जनजातीय नाट्य जनजातीय वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण का प्रदर्शन सहित शिल्पकला, चित्रकला के साथ ही बस्तर की प्रमुख प्रचलित पेय एवं खाद्य पदार्थो का प्रदर्शन किया जाएगा।

हैण्डपंप को 24 घंटे के भीतर ठीक करेगा मोबाईल यूनिट

बीजापुर। ग्रीष्म ऋतु में सतत पेयजल व्यवस्था बनाये रखे जाने हेतु हैण्डपंप संधारण विशेष अभियान के तहत 2 नग हैण्डपंप संधारण मोबाईल यूनिट संचालित की गई है जिससे कि हैण्डपंप बंद की शिकायत प्राप्त होने पर 24 घण्टे के भीतर विभागीय बिगड़े हैण्डपंप की सुधार की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। बिगड़े हैण्डपंप की सूचना हेतु जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला स्तर पर राहुल कुमार नाग सहायक अभियंता लोस्वायां उपखण्ड भोपालपटनम मोबाईल नम्बर 7898810930 विकासखण्ड भोपालपटनम एवं उसूर जगदीश प्रसाद सहायक अभियंता लोस्वायां उपखण्ड बीजापुर मोबाईल नंबर 9826644136 विखं बीजापुर एवं भैरमगढ़ और विकासखण्ड स्तर पर डीआर बंजारे उपअभियंता विकासखण्ड भोपालपटनम मोबाईल नम्बर 9131480312 एवं जितेन्द्र तारेन्द्र उपअभियंता विकासखण्ड उसूर एवं बीजापुर मोबाईल नं. 8839429830 एवं अशोक राज उपअभियंता, विकासखण्ड भैरमगढ़ मोबाईल नं.9575084447 एवं टोल फ्री नं. 18002330008 पर प्राप्त शिकायत का भी त्वरित निराकरण किया जावेगा।

गर्मी शुरू होने से पहले ही जल संकट गहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दरभा

दरभा क्षेत्र के नेगानार गांव में लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। मंगलवार को सुबह हरिभूमि रिपोर्टर सुरेश सिंह ने गांव में पहुंचकर पानी की समस्या को देखा। सुबह बर्तनों को लेकर महिलाएं एवं बच्चे निकल रहे थे, जो गांव से करीब एक से दो किलोमीटर दूर कुओं पर पहुंचे। रस्सी बाल्टी से पानी खींचकर बर्तनों को भरते देखे गए।

वहीं कुओं पर पानी भरने को लेकर ग्रामीण महिलाओं की भीड़ लगी देखी जो अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। गांव में पेयजल समस्या को लेकर जब महिलाओं से बात की तो उन्होंने बताया कि गांव में गत कई सालों से पानी की समस्या बनी है। जिसे लेकर कई बार अधिकारियों को शिकायत भी की जा चुकी है, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीण बोले गांव में पानी की टंकी है फिर भी प्यासे है, पानी की टंकी से पुरे गांव में सप्लाई नहीं हो पाती है जिसके चलते पानी की किल्ल्त हो रही है। गांव की महिलाओं का कहना है कि गांव में पानी की बड़ी समस्या है।

गांव के बोरवेल एवं कुओं में पानी सूख गया है। जिससे गांव से दो-तीन किमी दूर से पानी लाना पड़ रहा है। वह बुजुर्ग है ऐसे में उसे दूर से पानी लाना पड़ता है। इस नेगानार गांव के पटेलपारा, कड़कीपारा, तराईगुडा जैसे कई पारा है जंहा पानी की समस्या गहरा गई है। यहां के कन्या छात्रावास और बालक छात्रावास भी इस भीषण गर्मी में पानी की समस्या से झूझना पड़ रहा है। छात्र-छात्राओं को मजबूरन तालाबों और कुओं का सहारा लेना पड़ रहा है। पानी की समस्या को लेकर अधिकारी भी कोई ध्यान नहीं दे रहे है।

बस्तर पंडुम की तैयारियों की हुई समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

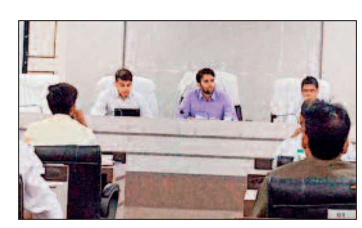

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली गई। बैठक में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी लंबित आवेदनों के तहत मुख्यमंत्री जनदर्शन, जन शिकायत, ई समाधान, कलेक्टर जनदर्शन, पीजी पोर्टल के विभिन्न प्रकरणों के निराकरण के संबंध में निर्देश दिए गए।

समय सीमा बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, जन शिकायत, ई समाधान, के नियमित प्रकरणों के अलावा कलेक्टर जनदर्शन के तहत ग्राम पंचायत हिड़पाल के आश्रित ग्राम लालूनाला मुख्य मार्ग से देव स्थल पहुंच मार्ग पर पुलिया निर्माण का निर्माण कार्यो की स्वीकृति, परपापारा से हराला मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य की स्वी. प्रदान करने, ग्राम काण्डकी पारा में सड़क की मांग हेतु पर्यटन गतिविधियों के लिए होमस्टे बनाने के लिए सहयोग, नलकूप खनन हेतु टेकनार चौक आंवराभाटा से एकलव्य विद्यालय परिसर तक रोड चौड़ीकरण, एवं स्ट्रीट लाइट, शहीद स्मारक निर्माण कराने, सड़क चौड़ीकरण में प्रभावित को दुकान आवंटन किए जाने, शासकीय कुकुट पालन प्रक्षेत्र भवन ग्राम मुरकी में बाउंड्री वॉल गेट एवं सुरक्षा व्यवस्था में विद्युतीकरण कार्य से संबंधित देयक के भुगतान, शासकीय 100 सीटर पोटाकेबिन बालिका छात्रावास भवन ग्राम बांगापाल एवं पोटाकेबिन बालिका छात्रावास भवन ग्राम चितालूर को विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य के भुगतान, वादय यंत्र प्रदान किए जाने, आश्रित ग्राम मरकारनार (जुन्नापारा) ग्राम पंचायत डेगलरास में हैंडपंप लगवाए जाने, जैसे विभिन्न प्रकरणों पर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को औचित्यपूर्ण समाधान करने को कहा। इसके साथ ही समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने 2 अप्रैल से जिला मुख्यालय के हाई स्कूल ग्राउंड में प्रांरभ होने वाले बस्तर पंडुम की तैयारियों की पुनः समीक्षा करते हुए कहा कि बस्तर पंडुम के आयोजन के संबंध में जिन-जिन विभाग प्रमुखों को जो दायित्व सौंपे गए है उसका पूरे सजगता और पूरी गंभीरता के साथ पालन किया जाए चूंकि जिला मुख्यालय में इस प्रकार का आयोजन प्रथम बार किया जा रहा है। अतः इसमें किसी भी प्रकार की अव्यवस्था जैसी स्थिति नहीं निर्मित होनी चाहिए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बंगाली कैंप में नील जात्रा का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बचेली

पुराने बंगाली वर्ष का अंत और नववर्ष के शुरुआत के क्षण में जो उत्सव का माहौल होता हैं, वह नील षष्ठी पूजा के आयोजन से और बढ़ जाता हैं। नील षष्ठी भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हैं। अपने संतान की लंबी आयु और अच्छे जीवन के लिए महिलाओं द्वारा इस समय भगवान शिव और माता पार्वती का पूजा आराधना किया जाता हैं।

बंगाली कैंप में भी इस वर्ष नील जात्रा का आयोजन किया गया,कैंप निवासी आशीष विश्वास नवीन

चौधरी से पूछे जाने पर उनके द्वारा बताया गया कि इस वर्ष अमरकोट ओड़िशा से आये 26 कलाकारों द्वारा मां पार्वती और देवो के देव महादेव का अभिनय 2 दिनों तक किया गया, जो बहुत ही मनमोहक रहा। इस वर्ष के भांति आगामी वर्ष भी इस तरह का धर्मिक आयोजन बंगाली कैंप में किया जायगा।

विहंगम योग संत समाज द्वारा स्वर्वेद यात्रा का हुआ आयोजन

सत्संग एवं स्वर्वेद कथा में सैकड़ों लोग हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

हिंदू नववर्ष के अवसर पर विहंगम योग संत समाज द्वारा गीदम नगर में भव्य स्वर्वेद यात्रा निकाली गई। यह आध्यात्मिक यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रथ पर सद्गुरुदेव भगवान की भव्य झांकी के साथ निकाली गई, जिसमें भक्तों ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया।

इस अवसर पर श्रीराम धर्मशाला में भव्य सत्संग एवं स्वर्वेद कथा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में गुरु भाई-बहन, मातृशक्ति, उपदेष्टा, केंद्र प्रभारी, ब्लॉक संयोजक, युवा प्रचारक एवं नगर के नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत सदस्य कमला विनय नाग, नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना, उपाध्यक्ष माधुरी गुप्ता, जनपद पंचायत गीदम उपाध्यक्ष दिनेश कौशल, दंतेवाड़ा जनपद सदस्य मंगल राम भास्कर गमावाड़ा, जनपद सदस्य सुकराम लेकाम सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। विहंगम योग संत समाज के गुरु भाई-बहनों ने मंच पर आए हुए अतिथियों का पुष्पमाला से भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सत्संग टीम द्वारा स्वागत गान, मंगलगान, गुरु-शिष्य प्रार्थना एवं स्वर्वेद पाठ से हुआ। समापन बेला में सभी श्रद्धालुओं ने आरती, शांति पाठ एवं जयघोष के साथ कार्यक्रम की पूर्णता की। जिला संयोजक एल पी गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट करते हुए सद्गुरुदेव भगवान के आदेशों के पालन का संकल्प लिया। समस्त श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे से मिलते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होकर अपने घरों को प्रस्थान किया।

जनपद पंचायतों में गृह प्रवेश कार्यक्रम

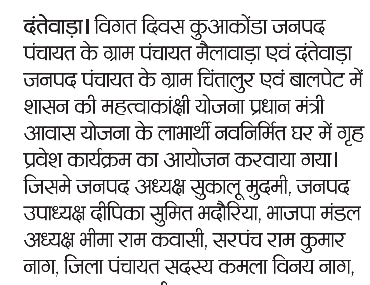

दंतेवाड़ा। विगत दिवस कुआकोंडा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत मैलावाड़ा एवं दंतेवाड़ा जनपद पंचायत के ग्राम चिंतालुर एवं बालपेट में शासन की महत्वाकांक्षी योजना प्रधान मंत्री आवास योजना के लाभार्थी नवनिर्मित घर में गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया। जिसमे जनपद अध्यक्ष सुकालू मुदमी, जनपद उपाध्यक्ष दीपिका सुमित भदौरिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष भीमा राम कवासी, सरपंच राम कुमार नाग, जिला पंचायत सदस्य कमला विनय नाग, जनपद अध्यक्ष सुनीता भास्कर, जनपद सदस्य कुणाल ठाकुर, पंचगण एवं आवास योजना लाभार्थियों की उपस्थिति, सीईओ जनपद पंचायत के नेतृत्व में जनपद स्तरीय आवास गृह प्रवेश कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया,कार्यक्रम में एडीएओ, प्रभारी जनपद समन्वयक, रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

क्रमोन्नति के संबंध में सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ब्लाक इकाई गीदम की बैठक आहूत की गई। जिसमे सहायक शिक्षको की क्रमोन्नति मामले के विषय मे चर्चा कर जानकारी दी गईं एवं पूर्व में पदोन्नति के उपरांत शेष पात्र शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी कर उन्हें पदोन्नति का लाभ पहुंचाने और अन्य समस्या के लिए जल्द विकासखंड शिक्षा अधिकारी से मुलाकात का सभी शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए बैठक में फैसला किया गया। सभी शिक्षक एक जुट होकर संगठन को आगे बढ़ाने के लिए और संगठन का कार्य में सहयोग करने के लिए आगे आए। इस मौके पर प्रदेश प्रतिनिधि त्रिपेश चापड़ी, ब्लॉक अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, ब्लॉक कार्यकारणी सदस्य एवँ कई शिक्षक साथी इस बैठक में मौजूद रहे।

HEALTH TOWN

K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
वैद्य-डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
(संतुलन से भरा आयुर्वेद, स्वस्थ्य जीवन का राज)
Mob.: 9111922122, 9111912122,0771-3558564
पता :- B-22 जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)
उपलब्ध पंचकर्म
• बस्ति
• उत्तर बस्ति
• जानु बस्ति
इत्यादि।

श्री अनंत हॉस्पिटल
बांधा तालाब के सामने, बांधापारा, कोण्डागांव
07786450046, 9111551414
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
नेत्र रोग
• आधुनिक कम्प्यूटर द्वारा आंखों की जांच • बिना इंजेक्शन, बिना टांके, आधुनिक मोतियाबिंद शल्यक्रिया • लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा • चश्मा • नासूर की शल्यक्रिया
Dental & Consmetic Treatments
• टेढ़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन
CERTIFIED ISO 9001

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

ACE COMBINE HARVESTER
विशेषताएं
• कृषि विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त
• 100 प्रतिशत स्वदेशी (भारत में बना हुआ)
• लो मेंटेनेंस : कम लागत में ज्यादा काम
धान की कटाई-मिंजाई के लिए
100% Swadeshi
ACE Ultra Track Harvester
अग्रिम बुकिंग प्रारंभ
अधिकृत विक्रेता -
मे. सांई ट्रेक्टर्स
सेल्स स्पेयर्स सर्विस
महालक्ष्मी एन्क्लेव के सामने, सिहावा रोड, धमतरी (छ.ग.)
मो. : 7000292192, 9425209243, 9424209243
शाखा : धमतरी रोड, नगरी, जिला-धमतरी
ब्रांच आफिस : जामकोट पारा, मेन रोड, कोण्डागांव

खबर संक्षेप

सूचना का अधिकार कार्यशाला स्थगित

जगदलपुर। सूचना का अधिकार अधिनियम के व्यापक प्रचार प्रशिक्षण हेतु संभाग स्तरीय कार्यालय के जन सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों हेतु अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन में आने वाली समस्या एवं शासन द्वारा जारी पोर्टल के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला 4 अप्रैल समय प्रातः 10.30 बजे से कार्यालय कमिश्नर बस्तर संभाग के सभाकक्ष में आयोजित किया गया था। जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है।

शिकायत निवारण के लिए अधिकारी नियुक्त

जगदलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित शिकायत निवारण के लिए प्रत्येक ब्लॉक में प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही समस्या समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा टोलफ्री नंबर 1800-233-0008 जारी किया गया है। इस बारे में कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड एचएस मरकाम ने बताया कि उक्त टोलफ्री नम्बर द्वारा सीधे विभाग से संपर्क कर पेयजल सम्बन्धी समस्या के बारे में अवगत कराया जा सकता है। वर्तमान में जिले के ग्रामीण इलाकों में मरम्मत योग्य हैण्डपम्पों का सुधार किया जा रहा है। साथ ही क्रेडा के माध्यम से सोलर ड्यूल पम्पों का संधारण सुनिश्चित किया जा रहा है। पेयजल व्यवस्था के दृष्टिकोण से जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में शिकायत निवारण के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारी के तहत दरभा एवं लोहण्डीगुडा हेतु एसडीओ हिरेन्द्र बघेल, बास्तानार एवं तोकापाल के लिए उप अभियंता एसएस पैकरा, बकावण्ड एवं बस्तर हेतु उप अभियंता आलोक मंडल और जगदलपुर ब्लॉक के लिए एसडीओ के. सुनिता को दायित्व सौंपा गया है।

दस्तावेजों की जांच 9 को

जगदलपुर। जिला पंचायत बस्तर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत प्रशिक्षण आवास समन्वयक, विकासखण्ड समन्वयक, तकनीकी सहायक एवं डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति किये जाने हेतु अभ्यर्थियों को उनके मूल प्रमाण-पत्रों की जाचं एवं मिलान हेतु 9 अप्रैल को प्रातः 09.30 बजे लाला जगदलपुरी जिला ग्रंथालय जगदलपुर में उपस्थित होने हेतु अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत लिफाफा में अंकित पता पर पंजीकृत डाक के माध्यम से बुलावा पत्र यथा सूचना-पत्र भेजा गया है।

कोबरा जवानों ने साथियों के साथ मनाई ईद

जगदलपुर। करणपुर स्थित कोबरा काम्प्लेक्स में कमांडेंट संतोष कुमार मल्ल, सभी अधिकारियों और जवानों ने अपने मुस्लिम साथियों के साथ मिलकर ईद मनाई। मुस्लिम जवानों ने अपने सभी धर्मों के साथियों के साथ देश में शांति और अमन की दुआ की । इस मौके पर बड़े खाने का आयोजन किया गया जिसमे कमांडेंट संतोष कुमार मल्ल में सभी को शांति और भाईचारे का संदेश दिया।

कोंटा-गोलापल्ली मार्ग के उसकावाया में नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित

नक्सल उन्मूलन में आई तेजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्टा

सुकमा जिले के कोंटा से गोलापल्ली किस्टाराम को सीधा कनेक्ट करने के दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुरक्षा बलों एवं जिला प्रशासन ने कोंटा-गोलापल्ली मार्ग के उसकावाया में नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित किया है। इस नवीन कैम्प के स्थापित हो जाने से बहुत जल्द कोन्टा से गोलापल्ली-किस्टाराम सीधे संपर्क होने तथा सफर की दूरी पहले से आधा घटकर 40 किमी मीटर हो जायेगी जिसका सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा। बारहमासी उपयोगी सड़क निर्माण कार्य मे गति लाने, विकासमूलक योजनाओं को जनता तक पहुंचाने एवं माओवादियों गतिविधियों को अकुंश लगाने के उद्देश्य से स्थापित किया गया नवीन सुरक्षा कैम्प से क्षेत्र के लोगों में उम्मीद की किरण लाई है। नवीन सुरक्षा कैम्पों की स्थापना होने से नक्सल उन्मूलन में तेजी आई है। जिसके फलस्वरूप वर्ष

2024 से अब तक नक्सल विचारधारा को त्यागकर 376 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किये एवं सुरक्षा बलों ने विभिन्न अभियानों में 48 माओवादी को मार गिराने व 351 माओवादियों को गिरफ्तार करने में सफल हासिल की है। जिला सुकमा के अंदरूनी क्षेत्रों नक्सल उन्मूलन एवं विकास कार्यों में तेजी लाने हेतु आईजी सुन्दरराज पी. डीआईजी कमलोचन कश्यप, सीआरपीएफ डीआईजी सूरजपाल वर्मा के मार्ग-दर्शन एवं एसपी किरण चव्हाण, खालीद खान कमाण्डेन्ट सीआरपीएफ 218 वाहिनी उमेश प्रसाद गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स सुकमा आकाश राव गिरपूंजे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल कोन्टा के निर्देशन में छत्तीसगढ़ शासन से संचालित नियद नेल्ला नार योजना के तहत जिला सुकमा एवं आन्ध्रप्रदेश राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र कोंटा-गोलापल्ली मार्ग में नवीन सुरक्षा कैम्प उसकावाया में 28 मार्च के स्थापित किया गया है ।

वर्ष 2024 से अब तक कुल 12 नवीन कैम्प स्थापित

नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र में माओवादियों के अन्तर्राज्यीय गतिविधियों पर अंकुश लगेगा व नक्सल विरोधी अभियान संचालन में तेजी आयेगी एवं आप-पास क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को विकासात्मक कार्य एवं मूलभूत सुविधायें जैसे कि सड़क, पुल पुलिया निर्माण, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सुविधा, पीडीएस दुकाने, अच्छी शिक्षा, मोबाईल कनेक्टिविटी का विस्तार आदि की सुविधायें मिल पायेगा। नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के आम-जन उत्साहित है। ज्ञात हो कि वर्ष 2024 से अबतक जिला सुकमा में नियद नेल्ला नार योजना अन्तर्गत कुल 12 नवीन सुरक्षा कैम्प टेकलगुड़ेम, पुवर्ती, मुकराजकोण्डा, दुलेड़, पुलनपाड़, लखापाल, तुमालपाड़, रायगुडेम, गोलाकोण्डा, गोमगुड़ा, मेटागुड़ेम एवं उसकावाया नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित की गई है। लगातार नवीन कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से माओवादी विचारधारा को त्यागकर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के उद्देश्य से 376 माओवादियों के द्वारा आत्मसमर्पण किये एवं विभिन्न नक्सल विरोधी अभियानों में 48 हार्डकोर माओवादियों को मार गिराने तथा 351 माओवादियों को गिरफ्तार करने मे सफलता अर्जित की गई है।

विधायक निवास पहुंचकर ग्रामीणों ने कहा, पानी की समस्या गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

चित्रकोट विधायक विनायक गोयल के गृह ग्राम धनियालुर में मंगलवार की सुबह पहुंचे ग्रामीणों ने पानी की समस्या को गंभीर बताते जल्द इसक निराकरण करने की गुहार लगाई। विधायक ने बताया कि पूरे विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव में

■ विधायक ने कहा जलस्तर गिरने से हर गांव में जल संकट

जलस्तर गिरने से ऐसी समस्या सामने आ रही है। इसके लिए पीएचई विभाग के अधिकारियों को नलजल योजना हैंडपंप अन्य जलस्त्रोत पर उचित काम करने को कहा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बस्तर की जीवनदायिनी इंद्रावती नदी में पानी कम आने से मेरे विधानसभा क्षेत्र चित्रकोट के तोकापाल ब्लॉक के कई गांव में जल संकट की स्थिति निर्मित है। ग्राम मारेंगा की महिलाओं ने विधायक से गांव की समस्या के बारे में चर्चा की। इस दौरान विधायक ने कहा कि महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों ने कई योजनाएं बनाकर लाभ पहुंचा रही है। महतारी वंदन योजना और महिला स्वसहायता समूह में पूरे प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक सहायता प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि तेलीमारेंगा, बड़ेमारेंगा और सुलीमारेंगा में गांव के युवाओं को क्रिकेट के लिए पुरस्कार में 10-10 हजार दिए गए। इसी तरह मारेंगा गांव के कई समस्याओं को भी प्राथमिकता से दूर किया गया।

शतप्रतिशत घरों में बिजली पानी की पहुंच हुआ सुनिश्चित

पुसकोंटा के ग्रामीणों को मिली बिजली और पानी की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

बीजापुर जिले के सुदूर क्षेत्र ग्राम पंचायत हीरापुर अर्न्तगत आश्रित ग्राम पुसकोंटा के सभी घरों में बिजली पानी की पहुंच सुनिश्चित हुई यहां नियद नेल्लानार योजना के तहत प्राथमिकता के साथ प्रत्येक घरों में बिजली और पानी पहुंचाया गया।

ग्रामीण देवा कुंजाम, भीमा माड्वी, नागू पोट्टाम एवं जमुना मिच्चा ने बताया कि गांव में पहली बार बिजली और पानी पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। जंगल के बीचों-बीच स्थित गांव होने के कारण रात के अंधेरे में जंगली जानवरों, सांप बिच्छू का भय बना रहता था। लेकिन अब बिजली पहुँचने के कारण गांव रौशन हो गया है। अब रात के अंधेरे का भय नहीं है।

वहीं गृहणी जमुना मिच्चा बताती है कि गांव के प्रत्येक घरों में जल-जीवन मिशन के तहत हर घर नल लगने के कारण पानी भरने के लिए अब घर से दूर हैण्डपंप जाने की जरूरत नहीं है। जमुना के छोटे-छोटे बच्चे है कभी बच्चों को घर में छोड़कर तो कभी बच्चों को साथ लेकर हैण्डपंप से पानी लाने में काफी मशक्कत करना पड़ता था किंतु अब घर में नल लगने से बच्चों का ध्यान रखने में भी सहूलियत हो रही है।

नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत बिजली, पानी, सड़क कनेक्टिविटी, मोबाईल टावर सहित स्कूल, आंगनबाड़ी, जैसे बुनियादि सुविधाएं गांवो को मिलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। वहीं बीजापुर जिले के सुदूर क्षेत्र भी अब विकास की धारा से जुड़कर अपने आने वाली पीढ़ी के लिए सुनहरा सपना देख रही है।

पुसकोंटा के ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन की पहुंच अब गांव में होने से बुनियादि सुविधाओं की रफ्तार बढ़ रही हैं गांव में प्रधानमंत्री आवास, व्यक्तिगत, शौचालय सहित विभिन्न सुविधाओं को मुहैया कराने के लिए प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है।

हिंगलाज बेड़ागांव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार व विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

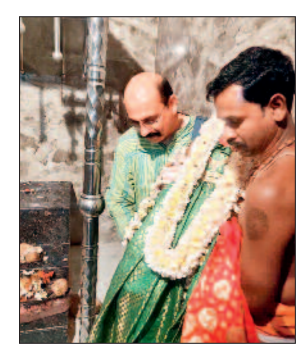

चैत्र नवरात्रि पर प्राचीन मुख्य हिंगलाज मूल मंदिर बेड़ागांव जो कि बस्तर संभाग, छत्तीसगढ़ एवं ओड़िसा के सभी मंदिरों के मूल गुरु पीठ के रूप में माता हिंगलाज

■ प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

विराजित है। इनकी 300 से अधिक अन्य ग्रामों में मंदिर प्रतिष्ठित है कि प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिपदा तिथि से प्रारम्भ हुआ। जिसके प्रथम दिवस में जलाधिवास में प्रतिमा को रखा गया। द्वितीय दिवस अन्ननाधिवास एवं तृतीय दिवस फलाधिवास जिसमें माता की प्रतिमा को कई प्रकार के फलों द्वारा आवरण कर रखा गया। इसके उपरांत माता बुधवार को नगर भ्रमण को निकलेगी। ततपश्चात इसकी प्राण प्रतिष्ठा की जावेगी। 300 से अधिक वर्षों से प्राचीन इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा लंबे अंतराल के बाद की जा रही है जिसके लिए ठाकुर अजय सिंह बैस द्वारा अपने माता पिता की स्मृति में सवा चार फीट की काले संगमरमर से जयपुर राजस्थान में निर्मित भव्य प्रतिमा प्रदान की गई है, तथा ठाकुर जितेंद्र सिंह बैस द्वारा 108 किलो का पीतल का घंटा समर्पित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए असम से आए हुए वेदपाठी ब्राह्मणों के द्वारा प्रतिदिन मुख्य यजमान के रूप में ठाकुर सतेंद्र सिंह बैस तथा पुजारी अर्जुन वैद्य द्वारा विभिन्न अनुष्ठानों के सहित प्रतिदिन रुद्राभिषेक,सत्यनारायण कथा, चंडी पाठ एवं चंडी होम किया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान विधायक किरण सिंह देव, लखेश्वर बघेल, विनायक गोयल, चैतराम अटामी, महापौर संजय पांडे, जनपद अध्यक्ष बकावंड, सोनबारी भद्रे, जनपद अध्यक्ष बस्तर संतोष बघेल पूर्व विधायक डॉक्टर सुभाऊ कश्यप रेखचंद जैन भी शामिल हों रहे हैं। नवरात्रि के उपरांत 8 अप्रैल को समापन के अवसर पर वार्षिक माता मंडई के अवसर पर बस्तर राजपरिवार से महाराजा कमल चन्द्र भंजदेव, राजमाता भी शामिल होंगे। अनिल सिंह बैस के मार्गदर्शन में हो रहे इस संपूर्ण कार्यक्रम प्रशांत सिंह बैस, प्रखर सिंह बैस प्रणव सिंह बैस प्रतीक सिंह बैस,सहित समस्त बैंस मालगुजार परिवार,चैन पुजारी, गजा पुजारी, अर्जुन पुजारी, जगदीश नाती पुजारी, डीपी देवांगन,जयभान सिंह राठौर, जयेश संघाणी, परेश राव, शशिकांत जोशी, रिंकू सेठिया लखन सरपंच, सचिव संतोष सेठिया, चंद्रसेना दीवान, टिंकू सेठिया सेवादार, बजानिया भक्त गण सेवा कर रहे है।

जनचौपाल के माध्यम से सुदूर क्षेत्रों में प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित करें : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

जिले के अत्यंत सुदूर जिला की श्रेणी में आता है जहां कई गांवों तक प्रशासन की पहुंच नही बन पा रही थी नियद नेल्लानार योजना के तहत पुलिस सुरक्षा कैम्प स्थापित होने के फलस्वरूप अत्यंत सुदूर क्षेत्रों में अब प्रशासन की पहुंच बढ़ी वहीं उन सभी गांवों के ग्रामीणों का आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता सहित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज बनाए और प्रशासन की पहुंच सुदूर क्षेत्रों में हो इस हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सीईओ जनपद पंचायत द्वारा आपसी समन्वय से कार्य योजना बनाकर प्रत्येक सप्ताह जनचौपाल का आयोजन इन सुदूर क्षेत्रों में आयोजित कर शासन के महत्वाकांक्षी योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ ग्रामीणों को मिले और ब्लॉक स्तर के सभी विभागीय अधिकारी जन चौपाल में उपस्थित होकर विभागीय योजनाओं की जानकारी एवं उनसे लाभान्वित होने के लिए ग्रामीणों को जागरूक एवं प्रेरित करें उक्त निर्देश कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में दिए।

कलेक्टर ने नियद नेल्लानार योजना के तहत स्वीकृत सभी कार्यो को गंभीरतापूर्वक समय-सीमा में संपादित करने बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में तेजी लाने एलडब्ल्यूई सर्वे का एंट्री चिंहाकित नक्सल पीड़ति एवं आत्मसमर्पित नक्सली को सभी प्रकार के आवश्यक दस्तावेज प्रदान कर उनको योजनाओं से जोड़कर उनके जीवन स्तर को सुधारने के निर्देश दिए।

क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने त्याग सद्भावना व समर्पण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर सकल जैन समाज एवं जैन सोशल वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा महावीर कप क्रिकेट प्रतियोगिता

■ महावीर कप प्रतियोगिता में प्रतिदिन हो रहा रोमांचक महामुकाबला

का आयोजन हो रहा है। पहला मैच में ओसवाल महिला मंडल की अध्यक्ष प्यारी देवी नाहता एवं दूसरे मैच में सीएसपी आकाश श्रीश्री माल ने अतिथि के रुप में मंचासीन होकर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। 31 मार्च को टीम सेवा ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय लिया। टीम वीर ने 12 ओवर तक बल्लेबाजी कर 95 रन 4 विकेट गंवा कर बनाएं और वही सेवा टीम ने 11 ओवर 1 गेंद पर 5 विकेट खोकर 95 रन बनाएं और यह मैच जीतकर अपने नाम कर लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच जितेंद्र टाटिया थे। दूसरा मैच शुभ वर्षेस धैर्य के बीच खेला गया। जिसमें धैर्य टीम ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय लिया। शुभ टीम ने 12 ओवर तक बल्लेबाजी कर 97 रन 9 विकेट गंवा कर बनाएं और धैर्य को शुभ टीम ने 92 रन पर समेटकर यह मैच 5 रन से जीतकर अपने नाम कर लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच राजेश बाफ़ना और पुलकित मिन्नी को संयुक्त रुप से दिया गया। अम्पायर करणदीप सग्गु, स्कोरर राहुल सुराना, देवेंद्र टाटिया, धैर्य लूनीया, कमेंट्रेटर जीतेन्द्र कोचर, नीरज दुग्गड थे। यह जानकारी जैन सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य व मीडिया प्रभारी राजकुमार बोथरा, कमलेश गोलछा व मनीष पारख ने दी।

तिलक लगाकर नए सत्र का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोड़ेनार ब्लाक बास्तानार में सोमवार को अप्रैल

■ शिक्षक- शिक्षिकाओं ने छात्र-छात्राओं का किया स्वागत

माह के आरम्भ होने के साथ विद्यालय के नए सत्र का आगाज हुआ। उत्साहपूर्ण तरीके से विद्यालय कक्षा प्रवेश से पहले अध्यापकों ने पूजा अर्चना करते हुए छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर उनका स्वागत व सम्मान किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कक्षा शिक्षण प्रारम्भ किया। प्राचार्य ने बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान करते हुए विद्यालय व माता पिता का नाम रोशन करने की अपील की। बच्चों ने उत्साहपूर्वक नए सत्र का आगाज किया। विद्यालय प्रबंधन सहित छात्र-छात्राएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सरलीकृत प्रक्रिया के अनुसार जाति प्रमाण पत्र बनाकर दें : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र प्रदाय हेतु राज्य शासन के द्वारा जारी सरलीकृत प्रक्रिया का अनुपालन करें। भूमिहीन परिवार के सदस्यों को ग्रामसभा के प्रस्ताव अथवा सम्बन्धित परिवार के किसी

■ राशनकार्ड में नए नाम जोड़ने सहित अन्य योजनाओं से सेचुरेशन करने के निर्देश

सदस्य को प्रदत्त जाति प्रमाण पत्र के आनुषांगिक दस्तावेजों के आधार पर जाति प्रमाण पत्र प्रदाय किया जाए। जिले के अन्तर्गत राशनकार्ड में परिवारों के नए सदस्यों का नाम जोड़ने की कार्यवाही शुरू करें, जिससे सम्बन्धित सदस्यों को मनरेगा जाबकार्ड, आधार कार्ड, जनधन खाता और अन्य व्यक्तिमूलक योजनाओं से सेचुरेशन किया जा सके। कलेक्टर श्री हरिस मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक में उक्त निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग की प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना, गणवेश प्रदाय एवं पाठ्य पुस्तक प्रदाय सर्वे सूची को आगामी 20 अप्रैल तक अद्यतन किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में समय-सीमा के प्रकरणों पर चर्चा के दौरान जिला खनिज न्यास निधि के मद से एजेंसीवार स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर निर्माण कार्यों सहित अन्य कार्यों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न पेंशन योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए हर महीने पात्र होने वाले हितग्राहियों का सर्वेक्षण कर चिन्हित किए जाने के निर्देश दिए और प्रत्येक ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय में आगामी 6 माह के लिए उक्त कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने कहा। उन्होंने बैठक में जन शिकायत और पीजी पोर्टल में दर्ज प्रकरणों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, डीएफओ उत्तम गुप्ता, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, ऋषिकेश तिवारी, प्रवीण वर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

योजनाओं की समीक्षा

कलेक्टर ने नियद नेल्लानार के सर्वे सूची में नॉट एलिजिबल, एलिजिबल नॉट बेनिफिटेड, लंबित सर्वे की समीक्षा करते हुए आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र बनाने के लक्ष्य के आधार पर सभी विकासखंड और तहसीलवार पोर्टल में एंट्री करवाते हुए पात्र हितग्राहियों का प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने चिन्हांकित योजनाओं के पात्र हितग्राहियों के सर्वे और योजनाओं के क्रियान्वयन पर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की। जिसमें स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय, जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं वितरण, स्वास्थ्य विभाग की एनसीडी स्क्रीनिंग एवं मॉनिटरिंग, टीबी स्क्रीनिंग, एएनसी, टीकाकरण के साथ ही उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी हितग्राही पंजीयन, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना, प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, वन अधिकार मान्यता पत्र का सेच्युरेशन, राइट टू स्किल, जनधन खाता, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, श्रमिक पंजीयन कार्ड, हर घर नल से जल, पशु टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की ।

निर्माण कार्यों में तेजी लाएं

कलेक्टर ने बैठक में डीएमएफ और बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए इन निर्माण कार्यों को वर्किंग सीजन में तेजी के साथ संचालित कर जल्द पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। वहीं निर्माण कार्यों को नियमित तौर पर जारी नहीं रखने वाले तथा नोटिस जारी करने के बाद एवं पेनाल्टी की कार्यवाही के उपरांत भी कार्यों में अद्यतन प्रगति नहीं लाने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध ब्लेक लिस्टेड करने की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न विभागों के जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध अधिकारियों से चर्चा भी की। इस दौरान संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम के लिए टीमों को रवाना करने सहित सम्बन्धित नोडल अधिकारियों को आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए।